भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4219

गुरुवार, 18 जुलाई, 2019/27 आषाढ़, 1941 (शक)

राष्ट्रीय राजमार्गों का चौड़ीकरण

4219. श्री के. शनमुगा सुंदरमः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वर्ष 2010 में बिल्ट ऑपरेट ट्रांस्फर मोड के तहत 850 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से चेंगापल्ली से नीलांबूर तथा मदुक्कराई से बालापार तक राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण का कार्य शुरू किया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और मौजूदा स्थिति क्या है;

(ख) मंदुक्कराई-वलायर के खंड का कार्य पूरा करने में और कितना अनुमानित समय लगने की संभावना है और उक्त परियोजना का कार्य तेज करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) चेंगापल्ली से नीलांबूर को छह लेन और मदुक्कराई से वलायर खंड को चार लेन का बनाने में लगने वाला अनुमानित समय और लागत क्या है;

(घ) क्या एनएचएआई उक्त परियोजनाओं के लागत में वृद्धि और वित्तपोषण में देरी का सामना कर रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और परियोजना को यथाशीघ्र पूरा करने हेतु क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग): डीबीएफओटी(टोल) आधार पर 852.00 रुपये की अनुमानित लागत से चेंगापल्ली से कोयम्बटूर बाइपास (नीलांबूर) के आरंभ तक 6-लेन बनाने और मदुक्कराई से वलायर तक 4-लेन बनाने का काम सौंपा गया था। काम पूरा करने की 30 माह की निर्धारित अवधि के साथ इस सड़क खंड पर कार्य सितम्बर, 2010 में शुरू हुआ था। इस परियोजना में विलंब भूमि अधिग्रहण और रियायतग्राही के वित्तीय संकट के कारण हुआ। चेंगापल्ली-नीलांबूर खंड के लिए अनंतिम वाणिज्यिक प्रचालन तिथि (पीसीओडी) 09.10.2015 को जारी की गई थी, जबकि मदुक्कराई-वलायर खंड पर मुख्य कैरिजवे पर चार लेन का काम और सर्विस रोड़ का कार्य 31.07.2017 को पूरा हो गया था।

मदुक्कराई-वलायर खंड में आरई वॉल के हिस्से में साइड ड्रेन के निर्माण के संबंध में रियायतग्राही ने कार्य व्याप्ति परिवर्तन (चेंज ऑफ स्कोप) का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार नहीं किया गया था, क्योंकि रियायत करार के अनुसार वह काम के मूल कार्य व्याप्ति (स्कोप) के तहत था। विभिन्न समीक्षा बैठकों के बाद रियायतग्राही द्वारा आरई वॉल के हिस्से में ड्रेन और ट्रक विराम स्थल (ले-बे) भाग में शौचालय का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

(घ) और (ड.): जैसा कि यह एक डीबीएफओटी (टोल) परियोजना है इसलिए लागत में वृद्धि का मामला और वित्तपोषण में देरी का प्रश्न ही नहीं उठता है।

*****